गुडगांव

मुझे जो आनन्द व शान्ति इस ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर में आकर मिली उसके लिए मैं ब्रह्माकुमारी बहनों का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इस सुन्दर अवसर पर बुलाया, वास्तव में यह परिवार अलौकिक सुख देने वाला है जो दूसरे संबंधों में नहीं मिल सकता, तो कौन नहीं इस अलौकिक संबंध से जुडना चाहेगा। यह बात ब्रह्माकुमारीज बहोडा कला स्थित ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर के दसवें वार्षिक उत्सव पर सांयकालीन कार्यक्रम में जगत गुरू शंकराचार्य स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती महाराज, प्रैजीडेन्ट विश्व कल्याण परिषद ने कही। उन्होंने कहा कि प्राचीन ऋषि मुनियों की जो विचार धारा थी जिसे वे ढूँढ रहे थे वह सनातन प्रवृत्ति इन बीके भाई बहनों में दिखती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा एक परम शक्ति है जिनके हाथों में हाथ देने से स्वतः ही कल्याण हो जाता है क्योंकि परमात्मा से हमारा एक जन्म का ही नहीं परन्तु जन्म जन्मान्तर का रिश्ता है उन्होंने ओ आर सी परिसर को दसवें वार्षिक उत्सव की बधाईयां देते हुए कहा कि इस परिसर की सुन्दरता व स्वच्छता इतनी भव्य हैं जो यहां पर आते ही हर एक का व्यक्तित्व बदल जाता है मुझे उम्मीद है कि आगे चलकर ये स्थान मानव कल्याण हेतू दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की करेगा। इस मौके पर ब्रह्माकुमारी संस्था की एडिश्नल चीफ दादी गुल्जार जी ने सर्व को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा जीवन ऐसा हो जैसे कमल का फूल क्योंकि कमल के फूल की सबसे बडी विशेषता है कि वह कीचड में रहकर भी कीचड के प्रभाव से सदा ही मुक्त रहता है उसी प्रकार इस कलियुगी दुनियां में रहते हुए हमारा जीवन भी बुराईयों से सदा मुक्त रहे उसका सहज तरीका है कि हम स्वयं को जाने और उस परम सत्ता ईश्वर को पहचाने जो हम सभी का रचियता है। डायरेक्टर वर्क दिल्ली मैट्रो कोरपोरेशन भ्राता मंगू सिंह जी ने ओ आर सी को दसवें वार्षिक उत्सव की मुबारक देते हुए कहा कि मैं इस सुन्दर स्थान के पवित्र वातावरण से बहुत ही प्रभावित हूँ। ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय माउन्ट आबू से पधारी ज्ञान सरोवर की संचालिका डॉक्टर निर्मला जी ने आध्यात्मिकता की ओर जोर देते हुए कहा कि जीवन को भयमुक्त एवं सुरक्षित रखने के लिए राजयोग सीखना अति आवश्यक है क्योंकि राजयोग ही एक ऐसी विधि है जिसके प्रतिदिन अभ्यास से हम सहज ही अपनी कमी कमजोरियों को समाप्त कर श्रेष्ठ जीवन जी सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज के प्रिन्सीपल सैक्रेटरी भ्राता ब्रजमोहन जी ने अपनी वाणी के द्वारा सभी मेहमानों का हार्दिक स्वागत किया ओ आर सी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने ओ आर सी की सेवाओं को सार में बताया इस कार्यक्रम के मध्य दिल्ली एवं अन्य स्थानों के कलाकारों ने बहुत ही सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा अन्त में केक कटिंग एवं दीप जलाकर इसके वार्षिक

उत्सव को बडी धूमधाम से मनाया गया इस कार्यक्रम का मंच संचालन बीके उर्मिल बहन ने किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली एवं गुडगांव से दो हजार से भी अधिक मेहमान पहुँचे।

फोटो- ओ आर सी के दसवें वार्षिक उत्सव में उपस्थित मेहमान।

फोटो- ओ आर सी के दसवें वार्षिक उत्सव का दीप जलाकर शुभारम्भ करते हुए जगत गुरू शंकराचार्य स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती महाराज, डायरेक्टर वर्क दिल्ली मैट्रो कोरपोरेशन भ्राता मंगू सिंह जी, डॉक्टर निर्मला जी, ब्रजमोहन भाई, आशा दीदी तथा अन्य।

फोटो- ओ आर सी के दसवें वार्षिक उत्सव पर बोलते हुए जगत गुरू शंकराचार्य स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती महाराज।

फोटो- ओ आर सी के दसवें वार्षिक उत्सव पर बोलते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था की एडिश्नल चीफ दादी गुल्जार जी।

फोटो- ओ आर सी के दसवें वार्षिक उत्सव पर अपनी कला प्रस्तुत करते हुए कलाकार।